महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

कला संकाय

विषय – संस्कृत

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा 2023–24

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा 2024–25

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

एम.ए. संस्कृत

1. एम.ए. संस्कृत में कुल 9 प्रश्नपत्र उत्तीर्ण करने होंगे।
2. पूर्वार्द्ध में चार प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होंगे।

   (i) प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों तक दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है।

   (ii) खण्ड 'ब' में कुल 7 प्रश्न होंगे व परीक्षार्थी केवल 5 प्रश्नों के उत्तर देगा। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा।

   (iii) खण्ड 'स' में कुल 4 प्रश्न होंगे। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। परीक्षार्थी इनमें से किसी दो प्रश्नों का उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. उत्तरार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे। पञ्चम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य है (षष्ठ में से कोई एक प्रश्नपत्र लेना होगा) शेष 3 प्रश्नपत्र किसी एक ही वर्ग से लेने होंगे।

   प्रत्येक प्रश्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होंगे। खण्ड 'अ' में सभी 10 प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक

   (i) प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों तक दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है।

   (ii) खण्ड 'ब' में कुल 7 प्रश्न होंगे व परीक्षार्थी केवल 5 प्रश्नों के उत्तर देगा। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा।

   (iii) खण्ड 'स' में कुल 4 प्रश्न होंगे। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा। परीक्षार्थी इनमें से किसी दो प्रश्नों का उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि और 100 अंकों का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क प्रश्नपत्र विशेष में 25 अंक, किन्तु सभी प्रश्नपत्रों में मिलाकर 36 प्रतिशत होगा।
5. **उद्देश्य–**

   (1) वैदिक साहित्य के ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के मूलभूत संस्कारों से युवा पीढ़ी को संस्कारित करना।

   (2) प्राचीन व आधुनिक संस्कृत भाषा व साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा उनमें संस्कृत भाषा को पढ़ने व बोलने की क्षमता उत्पन्न करना।

   (3) देववाणी संस्कृत को व्यवहार–भाषा बनाना तथा विदेशों तक संस्कृत भाषा के मूल्यों को पहुँचाना।

एम.ए. पूर्वार्द्ध (संस्कृत), परीक्षा 2023

प्रथम प्रश्नपत्र – **वैदिक वाङ्मय**
द्वितीय प्रश्नपत्र– **ललित साहित्य तथा साहित्य–शास्त्र**
तृतीय प्रश्नपत्र – **भारतीय–दर्शन**
चतुर्थ प्रश्नपत्र – **व्याकरण एवं भाषा–विज्ञान**

एम.ए. उत्तरार्द्ध (संस्कृत), परीक्षा 2024

1. इस परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र 3 घण्टे की अवधि एवं 100 अंक के होंगे।
2 पञ्चम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य होंगे तथा शेष तीन प्रश्नपत्र (सप्तम, अष्टम एवं नवम) वर्ग अ, आ, इ अथवा ई में से किसी एक ही वर्ग के होंगे।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

पञ्चम प्रश्नपत्र – **निबन्ध, व्याकरण एवम् अनुवाद**
षष्ठ प्रश्नपत्र – (क) **शास्त्रीय साहित्य एवं काव्य**

अथवा

(ख) **आधुनिक साहित्य**

अथवा

(ग) **वृत्त अध्ययन**(Case Study) (नियमित छात्रों के लिए)

वर्ग 'अ' – साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – **संस्कृत काव्यशास्त्र**
अष्टम प्रश्नपत्र –**(क) नाटक एवं नाट्यशास्त्र**

अष्टम प्रश्न पत्र (ख) आयुर्वेद, ज्योतिष एवं दैनन्दिन पूजन विधि

नवम प्रश्नपत्र – (क) **प्राचीन काव्य**

अथवा

किसी भी कवि का विशेष अध्ययन –

(ख) **भास**

अथवा

(ग) **कालिदास**

वर्ग 'आ' – वैदिक साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – **संहिता–पाठ**

अष्टम प्रश्नपत्र – **ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक ग्रन्थ**

नवम प्रश्नपत्र – **वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र**

वर्ग 'इ' – दर्शनशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – **न्याय और वैशेषिक दर्शन**

अष्टम प्रश्नपत्र – **सांख्य–योग–मीमांसा दर्शन**

नवम प्रश्न पत्र – **अद्वैत वेदान्त दर्शन**

वर्ग 'ई' – व्याकरण शास्त्र

सप्तम प्रश्न पत्र – **वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी**

अष्टम प्रश्न पत्र – **प्रक्रिया एवं दर्शन**

नवम प्रश्न पत्र – **व्याकरण दर्शन**

एम.ए. (संस्कृत) पूर्वार्द्ध परीक्षा 2023–2024

इस परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 100 तथा समय 3 घण्टे निर्धारित है। न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क प्रश्नपत्र विशेष में 25 अंक, किन्तु चारों प्रश्नपत्रों में मिलाकर 36 प्रतिशत होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित हैं। प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जाएगा। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत रहे।

प्रथम प्रश्न–पत्र – वैदिक वाङ्मय

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 – निम्नलिखित सूक्त अध्ययन के लिये निर्धारित हैं तथा आचार्य सायण सहित दयानन्द, सातवलेकर आदि के भाष्यों का ज्ञान अपेक्षित है–

. (अ) **ऋग्वेद** – 1. अग्नि (1/1), 2. सूर्य (1/115), 3. रुद्र (2/33), 4. विश्वामित्र–नदी–संवाद (3/33), 5. उषस् (3/61), 6. पुरुष (10/90), 7. वाक् सूक्त (10/125), 8. नासदीयसूक्त (10/129) 9. सरमा–पणि संवाद (10/108), 10. हिरण्यगर्भ (10/121), 11. ज्ञानसूक्त (10/71)

(आ) (i) शब्दरूप – देव, अग्नि , अस्मद्, युष्मद्।

(ii) धातुरूप – भू , वद् , कृ , गम् ।

(iii) छन्द – गायत्री , त्रिष्टुप् , जगती , अनुष्टुप् ,पङ्क्ति, बृह्ती और उष्णिक्।

इकाई–2. (अ)**यजुर्वेद का 34वां अध्याय (शिवसंकल्पसूक्त)**

(आ) **अथर्ववेद –** 1. मेधाजननम् (1/1), 2. राष्ट्राभिवर्धनम् (1/29), 3. राष्ट्रसभा (7/12), 4 भूमिसूक्त (12/1, 1 से 15 मंत्र), 5. कालसूक्त (19/53)

इकाई–3. **कठोपनिषद्** (गीता प्रेस गोरखपुर)

इकाई–4. **निरुक्त –** प्रथम एवं द्वितीय अध्याय

इकाई–5. **वैदिक साहित्य का इतिहास**

विशेष – खण्ड 'ब' के अर्न्तगत अग्नि, रुद्र, उषस्, एवं वाक् सूक्त में से एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या (8 अंक)पूछी जाए एवं निरुक्त के निर्वचन (8 अंक) संस्कृत माध्यम से पूछे जाएँ तथा खण्ड 'अ' में से 4 अंक के प्रश्न इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक ग्रन्थ

1. ऋक्–सूक्तसंग्रह – डॉ हरिदत्त शास्त्री
2. वैदिकसूक्तमुक्तावली – डॉ. लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
3. ऋक्सूक्तवैजयन्ती – डॉ. एच.डी. वेलणकर, संशोधन मण्डल, पूना
4. वैदिक सूक्त–सुधा – डॉ. प्रद्युम्न द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
5. वैदिक वाङ्मय : एक परिशीलन : ब्रज बिहारी चौबे
6. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. जयदेव वेदालंकार, भारतीय विद्या प्रकाशन
7. वैदिक साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन
8. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन
9. निरुक्त – डॉ. उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा प्रकाशन
10. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन
11. निरुक्त – डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, हंसा प्रकाशन, जयपुर
12. निरुक्त – मुकुन्द झा बख्शी, चौखम्बा प्रकाशन
13. कठोपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
14. वैदिक स्वरबोध – ब्रज बिहारी चौबे
15. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चाननां
16. वैदिक सलैक्सन – पीटर्सन (सीरिज 1 एवं 2)
17. वैदिक स्वर–मीमांसा – पं युधिष्ठर मीमांसक
18. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
19. वैदिक रीडर – मैक्डॉनल
20. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय
21. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति का स्वरूप – प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय, विश्व प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
22. कठोपनिषद् – गीता प्रेस गोरखपुर

द्वितीय प्रश्नपत्र – ललित–साहित्य तथा साहित्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **दूत काव्य – मेघदूत** (कालिदास)

इकाई–2 **रूपक – मृच्छकटिकम्** (शूद्रक)

इकाई–3 **गद्य–काव्य – कादम्बरीकथामुख** (बाणभट्ट)– विन्ध्याटवी वर्णन से लेकर शबरचरित्रवर्णनम् 'सकलेन सैन्येनानुगम्यमानः शनैः शनैरभिमत दिगन्तरमयासीत्' तक का अंश पठनीय है।

इकाई–4 **साहित्यदर्पण (आचार्य विश्वनाथ)** – प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद

इकाई–5 **साहित्यदर्पण–तृतीय परिच्छेद–** 1 से 29वीं कारिका तक एवं चतुर्थ परिच्छेद।

विशेष – खण्ड 'ब' के अर्न्तगत मेघदूत उत्तरार्द्ध में से एवं मृच्छकटिकम् प्रथमाङ्क में से श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या (8+8 अंक की) पूछी जाएगी तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत 4 अंक के प्रश्न इकाई 1 में से संस्कृत माध्यम से पृष्ट्व्य।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. मेघदूतम् – पं. तारिणीश झा, रामनारायण बेणीमाधव, इलाहाबाद
2. मेघदूतम् – प्रह्लादगिरि गोस्वामी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
3. मेघदूतम् – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
4. मेघदूतम् – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
5. मृच्छकटिकम् – व्या. ड़ा जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. मृच्छकटिकम् – आचार्य रामानन्द द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन,दिल्ली
7. मृच्छकटिकम् – डा. जयशंकरलाल त्रिपाठी,कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
8. कादम्बरी (कथामुख) – पं. तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेणीमाधव
9. कादम्बरी (कथामुख) – रतिनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

10. कादम्बरी (कथामुख) – प्रो. समीर शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन

11. साहित्यदर्पण – आ. शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

12. साहित्यदर्पण – आ. लोकमणि दाहाल, चौखम्बा प्रकाशन

13. साहित्यदर्पण – डा. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा प्रकाशन

14. संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ. रामकुमार आचार्य

15. मेघदूत एक पुरानी कहानी – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

16. मेघदूत एक अध्ययन – वासुदेव शरण अग्रवाल

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **ईश्वरकृष्ण – सांख्यकारिका** (गौड़पादभाष्य सहित)

इकाई–2 **केशव मिश्र – तर्कभाषा** (प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त)

इकाई–3 **केशव मिश्र – तर्कभाषा** (अनुमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त)

इकाई–4 **सदानन्द – वेदान्तसार**

इकाई–5 **पातञ्जलयोगसूत्र –** (समाधि पाद)

विशेष – खण्ड 'ब' के अर्न्तगत सांख्यकारिका से एक कारिका (1–21 तक) की व्याख्या (8अंक की)एवं वेदान्तसार के एक प्रश्न (8 अंक)का उत्तर संस्कृत में देना होगा तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत 4 अंक के प्रश्न इकाई 1 में से संस्कृत माध्यम से पृष्ट्व्य।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक ग्रन्थ

1. तर्कभाषा – आ. विश्वेश्वर

2. तर्कभाषा – श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. तर्कभाषा – बदरीनाथ शुक्ल – मोतीलाल बनारसीदास
4. तर्कभाषा – सुरेन्द्रनाथ शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
5. तर्कभाषा – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
6. सांख्यकारिका – जगन्नाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास
7. सांख्यकारिका – पं. बलराम उदासीन, भारतीय विद्या प्रकाशन
8. सांख्यकारिका – पं. ज्वाला प्रसाद गौड़, चौखम्बा प्रकाशन
9. सांख्यकारिका – डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन
10. सांख्यकारिका – ब्रजमोहन चतुर्वेदी
11. वेदान्तसार – पं. तारिणीश झा
12. वेदान्तसार – पं. रामगोविन्द शुक्ल, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
13. वेदान्तसार – रामशरण शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
14. वेदान्तसार – बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास
15. भारतीयदर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
16. भारतीयदर्शन – दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
17. पातञ्जलयोगसूत्र (समाधिपाद) – डॉ. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव
18. भारतीय दर्शन – डॉ. एन.के. देवराज, चौखम्बा प्रकाशन

चतुर्थ प्रश्नपत्र – व्याकरण तथा भाषा विज्ञान

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1 **लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)**– अजन्त–प्रकरण

इकाई–2. **लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)**– हलन्त–प्रकरण

इकाई–3. **लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज)**– समास–प्रकरण

इकाई–4 **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** कारक–प्रकरण

इकाई–5 **भाषाविज्ञान**

(क) भाषाविज्ञान – रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा की उत्पत्ति तथा विकास, उच्चारण संस्थान, ध्वनियाँ – स्वर तथा व्यञ्जन

(ख) ध्वनि–परिवर्तन के कारण व दिशाएँ, ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण (भारोपीय भाषापरिवार के संदर्भ में), अर्थविज्ञान – अर्थ–परिवर्तन के कारण व अर्थ–परिवर्तन की अवस्थाएँ

विशेष–

इकाई–1. खण्ड 'ब' के अर्न्तगत–(क) अजन्त प्रकरण में (8अंक की)शब्दों की रूपसिद्धियाँ पूछी जाएँ (सिद्धियाँ संस्कृत में करनी होंगी)।

(ख) सूत्रों की (8अंक की) संस्कृत–व्याख्या पूछी जाए

इकाई–2. हलन्त प्रकरण में सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए।

इकाई–3. समास – (क) पदों की सिद्धि

(ख) सूत्रों की व्याख्या पृष्ट्व्य

इकाई–4. (क) कारक–सूत्र–व्याख्या

(ख) प्रदत्त उदाहरणवाक्यों के रेखांकित पदों में प्रयुक्त विभक्ति एवं सम्बद्ध कारकसूत्र का ज्ञान।

इकाई–5 भाषा विज्ञान (क) सामान्य प्रश्न

(ख) टिप्पणी

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।**पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें**

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डा. सुरेन्द्रदेव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स
5. कारकप्रकरणम् (सि.कौ.) – डॉ. कलानाथ झा, चौखम्बा प्रकाशन
6. कारक–दीपिका – पं. मोहनवल्लभ पंत, रामनारायणलाल बेणीमाधव
7. कारकप्रकरणम् – डॉ. रामरंग शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन
8. कारकप्रकरणम् – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय

9. तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ. मंगलदेव शास्त्री
10. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
11. संस्कृतभाषाविज्ञानम् – चक्रवर्ती श्रीरामाधीन चतुर्वेदी, चौखम्बा
12. भाषाविज्ञान – डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
13. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिल देव
14. Linguistic Survey of India – G.A. Grierson, मोतीलाल बनारसीदास
15. एन. इण्ट्रोडक्शन टू कम्पेरिटिव फिलोलॉजी – गुणे (ओरियण्टल बुक एजेन्सी, पूना)
16. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास
17. संस्कृत का भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह
18. संस्कृत का भाषावैज्ञानिक परिशीलन – डॉ. के.बी. पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

एम.ए. संस्कृत (उत्तरार्द्ध) परीक्षा 2024–2025

इस परीक्षा में पाँच प्रश्नपत्र होंगे। प्रस्तावित विषय–वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रति वर्ग निर्धारित हैं। पंचम एवं षष्ठ प्रश्नपत्र सभी वर्गों के लिए अनिवार्य है। सभी प्रश्नपत्रों का समय तीन घण्टे की अवधि का रहेगा तथा सभी प्रश्नपत्र 100 अंक के निश्चित किए गए हैं। न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क प्रश्नपत्र विशेष में 25 अंक, किन्तु पाँचों प्रश्नपत्रों में मिलाकर 36 प्रतिशत होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित हैं। पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले नियमित परीक्षार्थी यदि चाहें तो वह उत्तरार्द्ध में षष्ठ प्रश्नपत्र के स्थान पर वृत्त अध्ययन(Case Study) भी लिख सकते हैं।

अवधेयम्

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य–विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास से सम्बद्ध प्रश्न भी पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परिज्ञान हो सके।

प्रत्येक प्रश्नपत्र संस्कृत भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, परन्तु विद्यार्थियों को यह छूट है कि वह उस प्रश्न–विशेष के अतिरिक्त, जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत हो।

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

पञ्चम प्रश्नपत्र – निबन्ध, व्याकरण एवम् अनुवाद

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. (क) **निबन्ध**

कम से कम 10 निबन्ध–विषय दिये जाने चाहियें, जिनमें सभी वर्गों (अ, आ, इ, ई) के विषयों (वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, इतिहास–पुराण, व्याकरण तथा आधुनिक संस्कृत–साहित्य) पर, प्रत्येक में से कम से कम दो विषयों पर निबन्ध पूछा जाना चाहिए, जिनमें छात्र को यथेष्ट एक विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।

(ख) **अनुवाद** –

(क) किन्हीं दो वाक्यों या एक अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कराया जाना अपेक्षित है।

(ख) संस्कृत–वाक्यों में अशुद्धि–शोधन।

इकाई 2. **महाभाष्य** (पस्पशाह्निक)

इकाई 3. **लघुसिद्धान्तकौमुदी – कृदन्त** (कृत्य, पूर्वकृदन्त एवं उत्तरकृदन्त)

इकाई 4. **लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धित प्रकरण)** – अपत्याधिकार, शैषिक, ठगधिकार, भवनार्थक एवं मत्वर्थीय प्रकरण

इकाई 5 **लघुसिद्धान्तकौमुदी–स्त्रीप्रत्यय**

विशेष :– खण्ड 'ब' के अन्तर्गत इकाई 3,4,5,में से सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी। खण्ड 'स' में इकाई 3,4,5 में से सिद्धियाँ पूछी जायेंगी।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्य – चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. पस्पशाह्निक (महाभाष्य) – डॉ. सत्यप्रकाश दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. पस्पशाह्निक (महाभाष्य) – आ. युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा प्रकाशन
4. प्रौढ़निबन्धसौरभम् – पं. विश्वनाथ मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. संस्कृत निबन्धशतकम् – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
6. प्रबन्धरत्नाकर – डॉ. रमेश चन्द्र शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन
7. बृहद् संस्कृतनिबन्धकलिका – पं. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन
8. संस्कृत निबन्ध–पथ–प्रदर्शक – वी.एस. आप्टे, रामनारायणलाल बेणीमाधव
9. संस्कृत निबन्धशतकम्, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. लघुसिद्वान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
11. लघुसिद्वान्तकौमुदी – महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन
12. लघुसिद्वान्तकौमुदी – पं. सुरेन्द्रदेव स्नातक, चौखम्बा प्रकाशन
13. लघुसिद्वान्तकौमुदी – अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
14. एम.ए. संस्कृत व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य–भण्डार, मेरठ

15. लघुसिद्धान्तकौमुदी – पं. हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन
16. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
17. भारती (मासिक) – भारती कार्यालय, न्यू कॉलोनी, जयपुर
18. स्वरमंगला (त्रैमासिक) – राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
19. सारस्वतसुषमा – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
20. सागरिका – सागरिका–समिति, सागर
21. सम्भाषण–संदेशः (मासिक) – अक्षरम्, गिरिनगरम्, बेंगलूरु
22. संस्कृत–प्रतिभा – साहित्य अकादमी, दिल्ली

सभी वर्गों के लिये अनिवार्य

षष्ठ प्रश्नपत्र – (क) शास्त्रीय साहित्य एवं काव्य

समय 3 घण्टे **100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **वक्रोक्तिजीवितम्** (प्रथम उन्मेष)

इकाई–2 **काव्यमीमांसा** (एक से पांच अध्याय)

इकाई–3 **कौटिल्य का अर्थशास्त्र** (प्रथम अधिकरण)

इकाई–4 **हर्षचरितम्** (पञ्चमोच्छ्वास)

इकाई–5 **कादम्बरी** (महाश्वेता–वृत्तान्त) महाश्वेता वृत्तान्त (तस्य च तदक्षिणाम्... उन्मुक्त कण्ठमतिचिरमुच्चैः प्रारौदीत्)

विशेष : काव्यमीमांसा से सम्बन्धित एक प्रश्न (8 अंक) तथा कौटिल्य अर्थशास्त्र से एक प्रश्न (8 अंक) संस्कृत माध्यम से पूछा जाएगा तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृतमाध्यम से करने होंगे।

सभी पुस्तकों से व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न पूछे जाएँगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक

इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।

- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।**पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें**

1. वक्रोक्तिजीवितम् – आचार्य विश्वेश्वर
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ. रघुनाथसिंह
5. काव्यमीमांसा – केदारनाथ शर्मा
6. हर्षचरितम् – व्या. तारणीश झा
7. कादम्बरी – व्या. कृष्णचन्द्र शास्त्री

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र (ख) आधुनिक साहित्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **विवेकानन्दविजयम्** (श्रीधर भास्कर वर्णेकर) – 1 से 5 अंक

इकाई–2 **विवेकानन्दविजयम्** (श्रीधर भास्कर वर्णेकर) – 6 से 10 अंक

इकाई–3 **शिवराजविजयम्** (प्रथम विराम का प्रथम निश्वास)

इकाई–4 **मधुच्छन्दा** (डा. हरिराम आचार्य) एवं **विद्याधर नीतिरत्नम्** (पं. विद्याधरशास्त्री)

इकाई–5 **निर्धारित कवियों का सामान्य अध्ययन –**

1. भट्ट मथुरानाथ शास्त्री	2. पं. विद्याधर शास्त्री	3. श्री गणेशराम शर्मा
4. श्री नित्यानन्द शास्त्री	5. प्रो. श्रीनिवास रथ	6. नवल किशोर कांकर
7. प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र	8. डॉ. हरिराम आचार्य	9. श्री कलानाथ शास्त्री
10. पं. श्रीराम दवे	11. पद्म शास्त्री	12. पं. विश्वनाथ मिश्र (निबन्धकार)
13. प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	14. गिरिधर शर्मा नवरत्न	15. भट्ट श्री गिरधारी लाल शर्मा

विशेष– इकाई 1 व 4 से (8+8 अंक की) व्याख्याएं संस्कृत माध्यम से प्रष्टव्य तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृतमाध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक ग्रन्थ

1. विवेकानन्दविजयम् –श्रीधरशास्त्री वर्णेकर, हंसा प्रकाशन, जयपुर
2. विवेकानन्दविजयम् (मूल मात्र) – विवेकानन्द शिला स्मारक प्रकाशन, चेन्नई
3. राजस्थान अभिनव–संस्कृत–साहित्यम् – राजस्थान संस्कृत अकादमी
4. राजस्थान के संस्कृत कवि – राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. राजस्थानगौरवम् – डॉ. गंगाधर भट्ट, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयुपर
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
7. नवोन्मेषः – सं. डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
8. प. विद्याधर शास्त्री : व्यक्तित्व व कृतित्व – डॉ. परमानन्द सारस्वत
9. सागरिका – सागरिका समिति, सागर .
10. भारती (मासिक) – भारती कार्यालय, न्यू कॉलोनी, जयपुर
11. स्वरमंगला (त्रैमासिक) – संस्कृत अकादमी, जयपुर
12. शिवराज विजय – डॉ. रुपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
13. मधुच्छन्दा – डा. हरिराम आचार्य
14. विद्याधरनीतिरत्नम् – पं विद्याधर शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र (ग) वृत्त अध्ययन(Case Study) (नियमित छात्रों के लिये)

Note- The Case Study Report/Survey Report/Field Work shall be hand written and shall not be of more than 100 pages and is to be submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examination. Only such candidates who shall be permitted to offer Case Study/Field Work/Survey Report (if provided in the scheme of examimation) in lieu of a paper as those who have secured at least 55% marks in the aggregate, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. (i) Non-collegiate candidates shall not be eligible to offer Case Study/Survey Report.

वर्ग 'अ' साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संस्कृत काव्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **काव्य प्रकाश** – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय उल्लास

इकाई–2 **काव्य प्रकाश** – चतुर्थ, पञ्चम एवं षष्ठ उल्लास

इकाई–3 **काव्य प्रकाश** – सप्तम (रसदोष मात्र) एवं अष्टम उल्लास

इकाई–4 **ध्वन्यालोक** – प्रथम उद्योत

इकाई–5 **काव्यशास्त्र** के प्रमुख चिन्तक, ग्रन्थ एवं सम्प्रदाय

विशेष – इकाई–3, काव्य प्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास के प्रश्नों (8+8 अंक) का उत्तर संस्कृत में देना होगा तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. काव्यप्रकाश – रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास
2. काव्यप्रकाश – आ. विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन
3. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. काव्यप्रकाश – श्रीनिवास शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
5. रससिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा – प्रा. सुरजनदास स्वामी
6. ध्वन्यालोक – आ. विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन
7. ध्वन्यालोक – लोकमणि दाहाल, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
8. ध्वन्यालोक (लोचन) – रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास

9. ध्वन्यालोक – डॉ. कृष्ण कुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ

10. ध्वन्यालोक – कृष्णचन्द्र चतुर्वेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर

11. रसगंगाधर – मथुरानाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास

12. रसगंगाधर – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

13. रसगंगाधर – आ. बदरीनाथ झा, चौखम्बा प्रकाशन

14. काव्यप्रकाश – डॉ. सत्यव्रतसिंह, चौखम्बा प्रकाशन

15. रसालोचनम् – डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, शरण पुस्तक भण्डार, जयपुर

16. संस्कृत पोइटिक्स – एस.के. डे

17. साहित्य शास्त्र का इतिहास – बलदेव उपाध्याय

18. काव्यदोष उद्भव एवं विकास प्रथम एवं द्वितीय खण्ड – डा. माधवदास व्यास

अष्टम प्रश्नपत्र – (क) नाटक एवं नाट्यशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **उत्तररामचरितम्** – भवभूति

इकाई–2 **वेणीसंहारनाटकम्** –भट्टनारायण

इकाई–3 **भरतनाट्यशास्त्रम्** – अध्याय 1–2 मात्र

इकाई–4 **भरतनाट्यशास्त्रम्** – अध्याय 6

इकाई–5 **दशरूपकम्** (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश) – धनञ्जय

विशेष : इकाई 1 व इकाई 5 में से (8+8 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत में करने होंगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृतमाध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. उत्तररामचरितम् – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
2. उत्तररामचरितम् – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन
3. उत्तररामचरितम् – आनन्दस्वरूप, जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास
4. वेणीसंहारम् – माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन
5. वेणीसंहारम् – रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास
6. वेणीसंहारम् – परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन
7. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
8. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
10. अभिनवभारती – अभिनवगुप्त, दिल्ली वि.वि. प्रकाशन
11. दशरूपकम् – बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास
12. दशरूपकम् – डॉ. रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन
13. दशरूपकम् – डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा प्रकाशन
14. दशरूपकम् – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
15. दशरूपकतत्त्वदर्शनम् – रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन
16. भरतनाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद) – मनमोहन घोष

अथवा

अष्टम प्रश्नपत्र (ख) आयुर्वेद, ज्योतिष एवं दैनन्दिन पूजन विधि

समय 3 घण्टे | पूर्णांक 100 अंक

पाठ्यक्रम

इकाई–1 अष्टांगहृदयम्– वाग्भट्ट (सूत्रस्थान, अध्याय– 1,2, और 3)

इकाई–2 अष्टांगहृदयम्– वाग्भट्ट (सूत्रस्थान, अध्याय– 4 और 6)

इकाई–3 बृहत्संहिता– वराहमिहिर (अध्याय 1, 4, 5, 53 और 56)

इकाई–4 दैनन्दिन पूजा– नित्य कर्म, सन्ध्या, इष्टस्मरण, गुरुवन्दना, भूमिपूजन, दीपपूजन, आचमन, तिलक मन्त्र, भैरव नमस्कार, सूर्य नमस्कार, दिग्रक्षण, शंखपूजन, गरुड़घण्टी पूजन, गणपति ध्यान, कर्मसंकल्प, गणपत्यादि पंचदेवपूजन, विषेशार्घदान, गौर्यादिशोडश मातृका पूजन, कलषस्थापन, ब्रह्मादिपंचदेवपूजन

इकाई–5 स्तोत्रम् –श्रीसंकटनाशनगणेशस्तोत्रम्, श्रीगणपत्यथर्वशीर्षम्, आदित्यहृदयस्तोत्रम्, श्रीसूक्तम्, पुरुषसूक्तम्, श्रीनवग्रहस्तोत्रम्, श्रीदेव्यथर्वशीर्षम्, ऋग्वेदोक्तं देवीसूक्तम्, श्रीसप्तश्लोकी दुर्गा

विशेष : इकाई 5 में से (8+8 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत में करने होंगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) को प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. अष्टांगहृदयम्– सम्पादक वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाषन, के 37/116, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी
2. आयुर्वेद का वृहत् इतिहास – अत्रिदेव विद्यालंकार, उत्तर पद्रेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. वृहत्संहिता – वराहमिहिर
4. नित्यकर्म – पूजाप्रकाश पं. लालबिहारी मिश्र, गीताप्रेस गोरखपुर
5. श्री दुर्गासप्तशती – अनुवादक, पं. श्रीरामनारायण दत्त शास्त्री, गीताप्रेस गोरखपुर
6. कर्मठगुरु– मुकुन्दवल्लभ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, मुम्बई, वाराणसी
7. स्तोत्र रत्नावली
8. ब्रह्मनित्यकर्म समुच्चय

नवम प्रश्नपत्र – (क) प्राचीन काव्य

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **शिशुपालवधम्** – माघ (प्रथम सर्ग)

इकाई–2 **विक्रमांकदेवचरितम्** – बिल्हण (प्रथम सर्ग)

इकाई–3 **नैषधीयचरितम्** – श्रीहर्ष (प्रथम सर्ग)

इकाई–4 **चम्पू भारतम्** – अनन्तभट्ट (प्रथम स्तबक)

इकाई–5 **प्रमुख संस्कृतमहाकाव्यों का सामान्य अध्ययन**

विशेष : इकाई 1 एवं 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में करने होंगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृतमाध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्यग्रन्थ एवं सहायक पुस्तकें

1. शिशुपालवध (प्र.स.) – पं. जगन्नाथ शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन
2. शिशुपालवध – रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
3. शिशुपालवध – पं. तारिणीश झा, रामनारायणलाल बेणीमाधव, इलाहाबाद
4. विक्रमांकदेवचरित – पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन
5. विक्रमांकदेवचरित – प्रताप नारायण पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन
6. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
7. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास
8. नैषधीयचरितम् (प्र.स.) – डॉ. रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन
9. चम्पू भारतम् – अनन्त भट्ट

अथवा

नवम प्रश्नपत्र – (ख) विशेष कवि अध्ययन – भास

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **प्रतिमा नाटकम्**

इकाई 2. 1. **पंचरात्रम्** 2. **कर्णभारम्**

इकाई 3. **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्**

सामान्य प्रश्न

इकाई 4. भास का जन्म स्थान, समय निर्धारण, भास नाटकचक्र के नाटककार की समस्या का प्रश्न, वस्तु, नेता एवं रस के आधार पर निर्धारित रूपकों की समीक्षा

इकाई 5. भास की नाट्यशैली, अलंकार–योजना, प्रकृति–चित्रण, तत्कालीन सामाजिक स्थिति, सुभाषित, भास का प्रभाव

विशेष : इकाई 1 में से (8+8 अंक के) किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

नवम प्रश्नपत्र – (ग) विशेष कवि अध्ययन – कालिदास

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **कुमारसंभवम्** (पंचम सर्ग)

इकाई 2. **रघुवंशम्** (चर्तुदश सर्ग)

इकाई 3 (क) **मालविकाग्निमित्रम्**

(ख) **ऋतुसंहारम्** (प्रथम एवं षष्ठ सर्ग)

सामान्य प्रश्न

इकाई 4 स्थितिकाल, जन्मस्थान, रचनायें, कालिदासकालीन धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक स्थिति

इकाई 5. कालिदास के गीतिकाव्य एवं महाकाव्यों की साहित्य–शास्त्रीय समीक्षा (सौन्दर्य वर्णन, ऋतु वर्णन, प्रकृति वर्णन, विलाप वर्णन, रस एवं अलंकार आदि) तथा कालिदास की

नाट्यकला – वस्तु, नेता और रस के आधार पर समीक्षा

विशेष : इकाई 1 में से किन्हीं दो श्लोकों की संस्कृत में(8+8 अंक की) व्याख्या पूछी जाएगी तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

पाठ्यग्रन्थ एवं सहायक पुस्तकें

1. कुमारसंभवम् (पंचमः सर्गः) – आचार्य म.म. पंडित श्री नवल किशोर कांकर, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. कुमारसंभवम् (पंचमः सर्गः) – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर–3
3. रघुवंशमहाकाव्यम् (13–14 सर्ग)–श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. रघुवंशमहाकाव्यम् (13–14 सर्ग)–पं. जितेन्द्राचार्य, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
5. मालविकाग्निमित्रम्–महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा–2
6. ऋतुसंहारम् – शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. कालिदास ग्रन्थावली–सं. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

वर्ग 'आ' वैदिक साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र – संहिता पाठ

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **ऋग्वेद –** मण्डल 1/115, 5/1, 7/95, 10/71, 10/117, 10/159, 10/164, 10/190

इकाई 2. **अथर्ववेद** –अधोलिखित सूक्त मात्र निर्धारित हैं

काण्ड	सूक्त
1.	5
2.	28,
3.	11, 30
4.	30
8.	1
11.	4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)
19.	53

इकाई 3. **वाजसनेयी संहिता** – अध्याय 1 एवं 36

इकाई 4. (क) संहिता से पदपाठ और पदपाठ से संहिता पाठ संबधी नियम तथा इकाई एक व दो के सूक्तों से सम्बद्ध पदपाठ।

(ख) निर्धारित सूक्तों से सम्बद्ध–ऋषि, छन्द और देवता विषयक प्रश्न।

इकाई 5. **सायण कृत : ऋग्वेदभाष्यभूमिका**

टिप्पणी : परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद में मंत्रों के विभिन्न भाष्य जिनमें सायण, कपालीशास्त्री, दयानन्द तथा उव्वट के नाम विशेषतः उल्लेखनीय हैं, पढ़ेगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

विशेष – इकाई 1 में से (8+8 अंक की) संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक व्याकरण – डॉ रामगोपाल (दो भाग) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. श्री राम गोविन्द त्रिवेदी – वैदिक साहित्य, भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड, काशी
3. मॅक्डोनेल – ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेन्ट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ सत्यव्रत)
4. युधिष्ठिर मीमांसक – वैदिक स्वर मीमांसा
5. दयानन्द – ऋग्वेद भाष्य भूमिका
6. गोविन्दलाल बंशीलाल व रूग्र मिश्र शास्त्री – वैदिक व्याकरण भास्कर 32 सी, चैम्बर्स दिनशावांच्छा रोड, मुम्बई
7. डॉ. मंगलदेव शास्त्री – भारतीय संस्कृति का विकास
   (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 620/21, नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली–6
8. टी. कपाली शास्त्री – ऋग्भाष्य भूमिका
9. डॉ0 शारदा चतुर्वेदी– ऋग्वेद भाष्यभूमिका – चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी

टिप्पणी : संस्तुत पुस्तकों से पाठ्यक्रम से सम्बद्ध अंश ही पढ़ने अपेक्षित है।

अष्टम प्रश्नपत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **ऐतरेय ब्राह्मण प्रथम पंजिका** –प्रथम अध्याय

इकाई 2. **शतपथ ब्राह्मण** – (माध्यन्दिन) काण्ड 1 अध्याय 1

इकाई 3. **निरुक्त** – 7 एवं 10 अध्याय मात्र

इकाई 4. **ऋग्प्रातिशाख्य** 1 एवं 2 पटल

इकाई 5. **छान्दोग्योपनिषद्** – अध्याय प्रथम

विशेष – इकाई 3 व 4 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृतमें पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा – एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ – रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ द वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेद प्रातिशाख्य – डॉ. वीरेन्द कुमार वर्मा
4. निरुक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाउस, सी.के. 31/10 नेपाली खपड़ा, पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. Dr. Fateh Singh – The Vedic Etymology
6. छान्दोग्योपनिषद् – गीताप्रेस, गोरखपुर
7. निरुक्त – डॉ0 उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा प्रकाश
8. निरुक्त – डॉ0 देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, हंसा प्रकाशन, जयपुर

नवम प्रश्नपत्र – वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन**

इकाई 2. **देवशास्त्र**

इकाई 3. **प्रमुख वैदिक भाष्यकार** – सायण, यास्क, महीधर, महर्षि अरविन्द, बालगंगाधर तिलक, दयानन्द, पं. मधुसूदन ओझा, मेक्समूलर, वेबर, मैक्डोनल, बिह्टनी, ग्रिफिथ, जैकोबी, विंटरनिट्ज

इकाई 4. **बृहद्देवता** (प्रथम अध्याय)

इकाई 5. **दयानन्द कृत ऋग्वेदभाष्यभूमिका** (वेदोत्पत्तिः, नित्यत्वम्, वेद–विषयम्, संज्ञाप्रकरणम्, ब्रह्मविद्याविषयः)

विशेष – इकाई 4 व 5 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. देशमुख – ओरिजन एण्ड डवलपमेण्ट् ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर
2. कीथ – रिलीजन एण्ड फिलॉस्फी ऑफ् वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 1 से 15)
3. मैक्डॉनल – वैदिक माइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद – फाउण्टेन हैड ऑफ् रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश – वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
6. दयानन्द – सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
7. मैक्समूलर – पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ, इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय, 4/9, अहिल्यापुर, इलाहाबाद
8. मैक्समूलर – दी सांइस ऑफ लैंग्वेज
9. वैदिक देवता – उद्भव एवं विकास (दो खण्ड), भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
10. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका– श्रीमद्दयान्नदसरस्वतीस्वामिना निर्मिता – श्री घूडमल प्रहलाद कुमार आर्य धर्मार्थ न्यास, हिण्डौन सिटी

वर्ग 'इ' दर्शनशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय 3 घण्टे **100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **न्यायसूत्र** (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय

इकाई 2. **प्रशस्तपादभाष्य** (प्रारम्भ से बुद्धिनिरूपण तक)

इकाई 3. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (प्रत्यक्ष खण्ड)

इकाई 4. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (अनुमान खण्ड)

इकाई 5. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (शब्द खण्ड)

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. शास्त्री धर्मेन्द्रनाथ – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), मोतीलाल बनारसीदास।
2. शास्त्री दयाशंकर – (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड), सुरभारती प्रकाशन, बालाजी मार्केट, कानपुर।
3. झा. दुर्गाधर – (अनु.) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द, संस्कृत वि.वि., वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण : वैशेषिक दर्शन – एक अध्ययन
5. ठक्कुर, अनन्तलाल – (स.) न्यायदर्शनम् (प्रथमाध्यायात्मक प्रथम भाग, मिथिला, विद्यापीठ, दरभंगा, बिहार।
6. मिश्र, सच्चिदानन्द – (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
7. शास्त्री, श्रीनिवास – (व्या.) प्रशस्तपादभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–2

अष्टम प्रश्नपत्र – सांख्य–योग–मीमांसा दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **सांख्यकारिका** (सांख्यतत्त्वकौमुदी सहित) 1 से 30 कारिका

इकाई 2. **सांख्यकारिका** (सांख्यतत्त्वकौमुदी सहित) 31 से 72 कारिका

इकाई 3. **योगसूत्र** (समाधिपाद) व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदी सहित

इकाई 4. **योगसूत्र** (साधनपाद) (व्यासभाष्य तथा तत्त्ववैशारदी सहित)

इकाई 5. **जैमिनिसूत्र** शाबरभाष्य (तर्कपाद)

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

संस्तुत पुस्तकें

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) डॉ. रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या.) गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
4. सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा – डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र

नवम प्रश्नपत्र – अद्वैत वेदान्त दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **ब्रह्मसूत्र**–चतुःसूत्री (शांकरभाष्य सहित)

इकाई 2. **ब्रह्मसूत्र**–प्रथम अध्याय का प्रथम पाद – (5 से 24 सूत्र, शांकरभाष्य सहित)

इकाई 3. **ब्रह्मसूत्र**–द्वितीय अध्याय का द्वितीय पाद (शांकरभाष्य सहित)

इकाई 4. **वेदान्तपरिभाषा** (प्रत्यक्ष परिच्छेद)

इकाई 5. **माण्डूक्योपनिषद्** (माण्डूक्यकारिका सहित)

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. ब्रह्मसूत्र – चतुःसूत्री (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्र – चतुःसूत्री (व्या.) कामेश्वरनाथ मिश्र
3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित) – गीता प्रेस गोरखपुर
4. Mandukkya Karika – English translation and notes by R.D. Karmarkar, bhandarkar Oriental Research Institute, Poona.
5. Arthasamgraha : English translation and notes buy A.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmarkar, Motilal Banarsidad, Delhi
6. भामती–एक अध्ययन – डॉ. ईश्वरसिंह, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक
7. Vedanta explained (Valume-I) – V.h. Date, Bookseller, Publishing Co., V.p. Road, Bombay.
8. अद्वैत वैदान्त में आभासवाद – डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना
9. भारतीय दर्शन – एस.एन.दास गुप्ता

वर्ग 'ई' व्याकरणशास्त्र

सप्तम प्रश्नपत्र – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **सिद्धान्त कौमुदी** – संज्ञा, परिभाषा एवं संधि प्रकरण

इकाई 2. **सिद्धान्त कौमुदी** – सुबन्त प्रकरण

इकाई 3. **सिद्धान्त कौमुदी** – भ्वादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर)

इकाई 4. **सिद्धान्त कौमुदी** – अदादिगण से स्वादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर)

इकाई 5. **सिद्धान्त कौमुदी** – तुदादिगण से चुरादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर)

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–हिन्दी व्याख्या सहित – गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–तत्व बोधिनी टीकाद्वयोपेत
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – बालमनोरमा–लक्ष्मीटीका–सभापति शर्मा

अष्टम प्रश्नपत्र – प्रक्रिया एवं दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100 अंक**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **सिद्धान्त कौमुदी** (अव्ययीभाव समास प्रकरण एवं तत्पुरुष समास प्रकरण)

इकाई 2. **सिद्धान्त कौमुदी** (बहुव्रीहिसमास प्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त)

इकाई 3. **सिद्धान्त कौमुदी** (आत्मनेपद एवं परस्मैपद)

इकाई 4. **महाभाष्य** (प्रथम आह्निक) पस्पशाह्निक–प्रदीप उद्योत सहित

इकाई 5. **महाभाष्य** (द्वितीय आह्निक) प्रत्याहाराह्निक–प्रदीपउद्योत सहित

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्यम् – प्रदीप–उद्योतटीका 2. महाभाष्यम् – युधिष्ठिर मीमांसक

3. महाभाष्यम् – प्रदीपउद्योत – छाया टीका सहित – पायगुण्डे

नवम प्रश्नपत्र – व्याकरण दर्शन

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

पाठ्यक्रम

इकाई 1. **वाक्यपदीय** (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 1–43

इकाई 2. **वाक्यपदीय** (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 44–106 तक

इकाई 3. **वाक्यपदीय** (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107–156 तक

इकाई 4. **वैयाकरण भूषणसार** (धात्वर्थ निरूपण)

इकाई 5. **वैयाकरण भूषणसार** (स्फोटनिर्णय)

विशेष – इकाई 1 व 2 में से दो प्रश्न (8+8 अंक के) संस्कृत में पूछे जाएगे तथा खण्ड 'अ' के अन्तर्गत (2+2 अंक के) दो प्रश्न संस्कृत माध्यम से करने होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश :

- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम से बनाया जाए।
- प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'अ' में से 2 प्रश्न 4 अंक के इकाई 2 में से संस्कृत माध्यम से पूछें जाएँ तथा शेष 8 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पृष्टव्य होंगे। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश की ही व्याख्या या उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछा जाए।

प्रश्नपत्र में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है, अतः पूर्ववर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र को आदर्श न मानें।

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् – शिवशंकर अवस्थी
2. वाक्यपदीयम् – वामदेव आचार्य
3. वाक्यपदीयम् – पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् – अनु. के.ए. सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार – भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार – ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार – गोपाल शास्त्री नेने
8. वैयाकरणभूषणसार – पं. श्यामाचरण त्रिपाठी